हिंदी विवि में चीन के विद्यार्थियों का अभिनंदन समारोह

चीन के विद्यार्थियों से भारत-चीन रिश्ता होगा मजबूत – प्रो. गिरीश्वर मिश्र

हिंदी सीखने आए विद्यार्थियों ने कहा भारत की संस्कृति करती है दुनिया को आकर्षित

वर्धा, 28 मई 2016: भारत और चीन दोनों महान सभ्यतावाले देश हैं। चीन के विद्यार्थी हिंदी

पढ़ने के लिए भारत आ रहे हैं और इनके माध्यम से दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत बन रहे

हैं। उक्त बातें महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने

कहीं। वे विश्वविद्यालय में चीन से हिंदी सीखने आए विद्यार्थियों के अभिनंदन एवं प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे।

विगत दस महीने पहले चीन के 14 छात्रों का एक दल विवि में हिंदी सीखने आया था। उन्होंने हिंदी में अपना डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूर्ण किया। अपने देश चीन लौटने से पहले विवि ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया। भाषा विद्यापीठ के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, भारतीय एवं विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. अरबिंद कुमार झा, फादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास के अधीक्षक डॉ. रवि कुमार प्रमुखता से उपस्थित थे।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा सभी 14 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर चीनी छात्रों के दस महीने के अपने अनुभवों पर आधारित देशान्तर पत्रिका का लोकार्पण किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने हिंदी में संस्मरण, कविताएं और वर्धा के अनुभवों को उल्लेखित किया है। छात्रो का स्वागत कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने पौधा देकर किया।

प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने विद्यार्थियों से आवाहन किया कि भारत की अच्छी स्मृतियों को चीन ले जाए और उसे अपने परिवार और मित्रों में भी बॉटे। स्वागत वक्तव्य में प्रो. अरबिंद कुमार झा ने कहा कि विश्वविद्यालय में विदेश से आने वाले विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उनके लिए एक अलग से वेबसाइट तैयार की जाएगी तथा जल्द ही पूर्व छात्रों का एक संघटन बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अगले सत्र में इटली, रूस और फ्रांस आदि देशों के विद्यार्थी आएंगे। कार्यक्रम के प्रारंभ में चीनी छात्राओं ने अतिथियों का पारंपरिक औक्षण किया तथा अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बताया कि भारतीय संस्कृति का अनोखापन दुनिया को आकर्षित करनेवाला है। वर्धा के दस महीने हमें अपने देश जैसे लगे और यहां हमें पढ़ाई के साथ-साथ शिक्षकों और विद्यार्थियों को भरपूर सहयोग मिला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रवि कुमार ने किया। कार्यक्रम में थायलैण्ड की छात्रा ने नृत्य प्रस्तुत किया वहीं चीन के विद्यार्थियों ने चीनी भाषा में गीत और कविताएं प्रस्तुत की। इस दौरान डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी,डॉ. अनिल कुमार दुबे, डॉ. उमेश कुमार सिंह, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, डॉ. पुरंदरदास, राजेश यादव, बी. एस. मिरगे सहित विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हिंदी विश्वविद्यालयात चीनच्या विद्यार्थ्यांचा अभिनंदन समारंभ

भारत-चीन संबंधात विद्यार्थी महत्वाचा दूवा – प्रो. गिरीश्वर मिश्र

विद्यार्थी म्हणाले, भारतीय संस्कृती जगाला आकर्षित करणारी

वर्धा, 28 मे 2016: भारत आणि चीन हे महान सभ्यता असणारे देश आहेत. चीनचे विद्यार्थी मोठया संख्येने आता भारताता शिकण्यासाठी येत आहेत. हे विद्यार्थी भारत-चीन संबंध अधिक सुदृढ करण्यात महत्वाचा दूवा ठरू शकतात, असे प्रतिपादन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो.गिरीश्वर मिश्र यांनी केले. ते विश्वविद्यालयात चीन येथून हिंदी शिकण्यासाठी आलेल्या विद्यार्थ्यांच्या अभिनंदन आणि प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रमात बोलत होते.

गेल्या दहा महिन्यांआधी चीन येथून 14 विद्यार्थी हिंदी शिकण्यासाठी येथे आले होते. त्यांनी या काळात डिप्लोमा अभ्यासक्रम पूर्ण केला. मायदेशी परतण्याआधी विश्वविद्यालयाने

त्यांचे शनिवारी एका कार्यक्रमात अभिनंदन केले. यावेळी प्रकुलगुरु प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, भारतीय व विदेशी भाषा अध्ययन केंद्राचे निदेशक प्रो. अरबिंद कुमार झा, फादर कामिल बुल्के आंतरराष्ट्रीय वसतिगृहाचे अधीक्षक डॉ. रवि कुमार उपस्थित होते.

कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी सर्व 14 विद्यार्थी आणि विद्यार्थिनींना प्रमाण पत्र प्रदान केले. याप्रसंगी देशान्तर नियतकालीकाचे लोकार्पण करण्यात आले. यात चीनच्या विद्यार्थ्यांनी भारत आणि विश्वविद्यालयात आलेल्या अनुभवांवर हिंदीमध्ये कविता कथा आणि वर्धेतील आठवणी लिहिल्या आहेत.

प्रकुलगुरु प्रो. आनंद वर्धन शर्मा यांनी आवाहन केले की चांगल्या स्मृती घेवून जा आणि आपल्या कुटुंबात आणि मित्र परिवारात त्यांना उजाळा द्या. स्वागत प्रो. अरबिंद कुमार झा यांनी केले. ते म्हणाले, पुढील सत्रात इटली, रूस आणि फ्रांसमधील विद्यार्थी येणार आहेत. कार्यक्रमाचे संचालन डॉ. रवि कुमार यांनी केले. यावेळी थायलंडच्या विद्यार्थिनीने नृत्य सादर केले तर चीनच्या विद्यार्थ्यांनी चीनी भाषेत गीत आणि कविता सादर केल्या. कार्यक्रमाला डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, डॉ. अनिल कुमार दुबे, डॉ. उमेश कुमार सिंह, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, डॉ. पुरंदरदास, राजेश यादव, बी. एस. मिरगे यांच्यासह विद्यार्थ्यांची मोठी उपस्थिती होती.